दैनिक पत्रिका, भोपाल
4 FEB 2010

खेल संघों के मसले पर भाजपा शिव के साथ

नई दिल्ली, 3 फरवरी (ब्यूरो) मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेताओं के खेल संगठन छोड़ने की नसीहत पर चुप्पी साध लेने वाली भाजपा की सप्ताहभर बाद इस विषय पर आई राय पार्टी के अंदर द्वंद्व पैदा कर सकती है। पार्टी प्रवक्ता प्रकाश जावड़ेकर की 'खेल को राजनीति से अलग रखने' की सलाह भाजपा का शिवराज के साथ खड़े होने का संकेत देती है। यदि पार्टी में ऐसा नीतिगत निर्णय हो गया, तब अरुण जेटली, यशवंत सिन्हा, नरेन्द्र मोदी सहित कई खेल संगठनों पर काबिज भाजपा नेताओं को देर सवेर पद छोड़ने का दबाव पड़ सकता है।

पार्टी प्रवक्ता प्रकाश जावड़ेकर ने किया समर्थन

खेल संघों को राजनेताओं से मुक्त किए जाने का विषय पहली भी कई बार उठा, लेकिन मुख्यमंत्री चौहान ने जिस दमदारी से यह बात उठाई वैसी आवाज किसी अन्य दल से नहीं उठी। इस मुद्दे को छेड़कर शिवराज भले चुप बैठ गए हो, लेकिन दिल्ली में कही गई उनकी इस बात का असर अभी खत्म नहीं हुआ है। इस मुद्दे पर पार्टी क्या रुख अपनाएगी, इस पर हर किसी की नजर लगी थी और आखिरकार बुधवार को पार्टी का नजरिया सामने आ ही गया।

हालांकि इस मसले पर पार्टी प्रवक्ता जावड़ेकर खुलकर नहीं बोले, परन्तु उनकी खेल को राजनीति से अलग रखने की दी गई राय यह दर्शाती है कि शिवराज के कथन पर बाहर से भले पार्टी खामोश रही, लेकिन अंदर हलचल पैदा हो गई थी। जावड़ेकर की सलाह पार्टी के भीतर इस विषय पर चल रहे मंथन का हिस्सा हो सकती है।